No. of Printed Pages : 3

एम.एच.डी.-1

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.ए. हिन्दी)

13521

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2019

एम.एच.डी.-1 : हिन्दी काव्य-1

(आदि काव्य, भक्ति काव्य एवं रीति काव्य)

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *कुल **चार** प्रश्नों के उत्तर देने हैं । **प्रथम** प्रश्न **अनिवार्य** है । शेष प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

---

1. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : *2×10=20*

(क) पांनी बिच मीन पियासी ।
मोंहिं सुन सुन आवै हाँसी ।।
घर में वस्तु नजर नहिं आवत ।
बन बन फिरत उदासी ।।
आतम ज्ञान बिना जग झूँठा ।
क्या मथुरा क्या कासी ।।

(ख) अँखिया हरि दरसन की भूखी ।
कैसे रहैं रूपरसराची ये बतियाँ सुनि रूखी ।
अवधि गनत इकटक मग जोवत तब मती नहिं झूखी ।
अब इन जोग संदेसन उधो अति अकुलानी दूखी ।।
बारक वह मुख फेरि दिखाओ दुहि पय पिवत पतूखी ।
सूर सिकत हठि नाव चलाओ ये सरिता है सूखी ।।

(ग) भोर तें साँझ लौं कानन ओर निहारति बावरी नेकु न हारति ।
साँझ तें भोर लौं तारनि ताकिबो तारनि सों इकतार न टारति ।
जौ कहूँ भावतो दीठि परै घनआनंद आँसुनि औसर गारति ।
मोहन सोहन जोहन की लगियै रहै आँखिन कें उर आरति ।।

(घ) फागु के भीरे अभीरन तें गहि गोबिंद लै गई भीतर गोरी ।
भाई करी मन की पद्माकर ऊपर नाई अबीर की झोरी ।
छीन पीतंबर कम्मर तें सु विदा दई मीड़ि कपोलन रोरी ।
नैन नचाइ कह्यो मुसकाई लला फिरि अइयौ खेलन होरी ।।

2. पृथ्वीराज रासो के काव्यत्व पर विचार कीजिए । *10*

3. विद्यापति के काव्य-सौंदर्य को विश्लेषित कीजिए । *10*

4. कबीर की दार्शनिकता को स्पष्ट कीजिए । *10*

5. पद्मावत में निहित लोकतत्त्व का विवेचन कीजिए । *10*

6. सूरदास की काव्य-भाषा की विशेषताएँ बताइए । *10*

7. मीरा की कविता में प्रेमानुभूति की स्वरूप की चर्चा कीजिए । *10*

8. घनानंद के काव्य-कौशल की विवेचना कीजिए । *10*